Regarding Cancer awareness campaign in rural areas of the country

श्री उज्ज्वल रमण सिंह **(इलाहाबाद) :** माननीय अधिष्ठाता महोदया, मैं आपके माध्यम से इस महती सभा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय रखना चाहता हूं । आज कैंसर की बीमारी ने एक महामारी का रूप ले लिया है । यह महामारी आने वाले दिनों में सुनामी का रूप लेने जा रही है । जैसा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में बताया गया । उस रिपोर्ट में कहा गया कि कैंसर के कई प्रकार के मामलों में वृद्धि देखी गयी है । लगभग सभी आयु वर्ग के मामलों में होंठ और ओरल कैविटी, सर्वाइकल कैंसर सहित बच्चों के भी कैंसर के मामलों में उछाल दर्ज की गयी है और चिंता जतायी गयी है कि 2050 तक इस क्षेत्र में नये कैंसर के मामलों में और इसके कारण मौत में 85 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है । देश में बदलती जीवनशैली, पर्यावरण का क्षरण और कैंसर के प्रति जागरुकता की कमी के कारण नौ में से एक पुरुष और आठ में से एक महिला को कैंसर होने का खतरा है । भारत में प्रतिदिन हजारों लोग इस बीमारी के कारण अपने जीवन से हाथ धो बैठते हैं ।

मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि इस जटिल और गंभीर बीमारी के लिए समझ और सतर्कता की आश्यकता है । इसके प्रकार, कारण, लक्षण और रोकथाम की नीतियों के प्रति लोगों को अपने स्वास्थ्य में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनया जा सकता है । सभी कैंसर से पीड़ित लोगों से कैंसर के बारे में ज्ञान साझा करना, प्रभावित लोगों का समर्थन करना और ऐसे भविष्य की दिशा में प्रयास करना आवश्यक है ।

आपके माध्यम से मैं सरकार से यह मांग करना चाहता हूं कि ?आयुष्मान भारत योजना? में पांच लाख नहीं पच्चीस लाख तक की इलाज की व्यवस्था की जानी चाहिए । लखनऊ में जो कैंसर संस्थान है, उसको एम्स जैसी सुविधा देनी चाहिए और प्रयागराज में जो कमला नेहरू संस्थान है, उसको भी सरकारी मदद देनी चाहिए ।

माननीय सभापति**:** माननीय सदस्य श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटील जी ।

सभी माननीय सदस्यों से मैं आग्रह करती हूं कि वे अपनी बात को दो मिनट के भीतर रखने का प्रयास करें ।